



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 674]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 23, 1992/कार्तिक 1, 1914

No. 674]

NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 23, 1992/KARTIKA 1, 1914 (SAKA)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर, 1992

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टॉक दलाल और
उप-दलाल) विनियम, 1992

का.आ. 720.—(अ) बोर्ड भारतीय प्रतिभूति और विनियम
बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा
30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार
के पूर्व अनुमोदन से निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्:—

अध्याय 1

प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन विनियमों का संक्षिप्त
नाम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टॉक दलाल
और उप-दलाल) विनियम, 1992 है।

(2) ये विनियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को
प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं:—इन विनियमों में जब तक कि संदर्भ में
अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) "जांच अधिकारी" से बोर्ड का कोई ऐसा अधिकारी
या प्रतिभूति बाजार से संबंधित समस्याओं से
संभवतः रखने वाला ऐसा कोई व्यक्ति अभिप्रेत
है जिसे अध्याय 6 के अधीन बोर्ड द्वारा नियुक्त
किया जाता है।

(ख) "प्रारूप" से अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट प्रारूप
अभिप्रेत है;

(ग) "निरीक्षण प्राधिकारी" से इन विनियमों के अध्याय
5 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने के
लिए बोर्ड द्वारा नियुक्त एक या अधिक व्यक्ति
अभिप्रेत हैं;

(घ) "विनियमों में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड
(स्टॉक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992
अभिप्रेत हैं;

- (क) "नियमों" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टॉक दलाल और उन्-दलाल) नियम अभिप्रेत है;
- (ख) "प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम" से प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) अभिप्रेत है;
- (घ) "अल्प विनिधानकर्ता" स्टॉक दलाल द्वारा जारी किए गए संविदा टिप्पण में यथा वर्णित किसी दिन औसत पचास हजार रुपये से अनधिक किसी बाजार मूल्य के लिए नफ़ाद संयवहार पर प्रतिभूतियों का क्रय या विक्रय करने वाला कोई विनिधानकर्ता अभिप्रेत है;
- (ङ) इन विनियमों में आने वाले सभी अन्य शब्दों और पदों के वही अर्थ हैं जो उनके अधिनियम और नियमों में हैं।

अध्याय 2

स्टॉक दलाल का रजिस्ट्रीकरण

3. स्टॉक दलालों के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन :—

- (1) कोई प्रमाणपत्र मंजूर करने के लिए स्टॉक दलाल द्वारा कोई आवेदन ऐसे स्टॉक एक्सचेंज या स्टॉक एक्सचेंजों की मार्फत प्रारूप 'क' में किया जाएगा, जिसमें/जिनमें उसे सदस्य के रूप में प्रवेश दिया गया है।
- (2) स्टॉक एक्सचेंज आवेदन प्रारूप को यथासाध्य शीघ्र किन्तु इसकी प्राप्ति की तारीख से तीस दिन के भीतर बोर्ड को भेज देगा।
- (3) उपविनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी, इन विनियमों के, प्रवृत्त होने से पूर्व किसी स्टॉक दलाल द्वारा कोई आवेदन जो ऐसी विशिष्टियों या प्रारूप 1 में यथा उल्लिखित से मिलते जुलते रूप में किया जाना है उपविनियम (1) के अनुसरण में किया गया आवेदन सधमा जाएगा और उस पर तदनुसार विचार किया जाएगा।

परन्तु यह कि फीस के संशय की अपेक्षा वही होगी जो विनियम 10 के उपविनियम (1) में निर्दिष्ट है।

4. सूचना स्पष्टीकरण आदि देना :—(1) बोर्ड, आवेदक से यह अपेक्षा कर सकेगा कि वह प्रमाणपत्र मंजूर करने के आवेदन पर विचार करने के लिए प्रतिभूति में संयवहार और उससे संबंधित मामलों की बाबत ऐसी और सूचना और स्पष्टीकरण दे।

(2) आवेदक या उसका प्रधान अधिकारी यदि ऐसी अपेक्षा करे तो बोर्ड के समक्ष व्यक्तिगत अभ्यावेदन के लिए प्रस्तुत होगा।

आवेदन पर विचार करना :—बोर्ड प्रतिभूतियों के क्रय, विक्रय या व्यवहार से संबंधित सभी मामलों और विशेष रूप से निम्नलिखित मामलों की बाबत कोई प्रमाणपत्र मंजूर करने के लिए निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखेगा, अर्थात्—

- (क) स्टॉक दलाल किसी स्टॉक एक्सचेंज में सदस्य के रूप में प्रवेश करने का पात्र है—
- (ख) स्टॉक दलाल के पास अपने क्रिया कलापो का प्रभावी रूप से निर्वहन करने के लिए आवश्यक अधिसंरचना जैसे पर्याप्त कार्यालय स्थल, उपस्कर और जन-शक्ति है।
- (ग) स्टॉक दलाल के पास प्रतिभूतियों का क्रय, विक्रय या व्यवहार करने के कारणों में कोई पूर्व अनुभव है,
- (घ) स्टॉक दलाल अपने कारबार की बाबत एक स्टॉक दलाल के रूप में जिसमें वह स्वयं और उसके भागीदार, निदेशक कर्मचारों अंतर्भूत हैं किसी स्टॉक एक्सचेंज के नियमों, विनियमों और उपविधियों के अधीन किसी अनुशासनिक कार्यवाही के अधीन है।

6. रजिस्ट्रीकरण की प्रक्रिया :—बोर्ड, यह समाधान होने पर कि स्टॉक दलाल रजिस्ट्रीकरण के लिए पात्र है, स्टॉक दलाल को प्रारूप-अ में एक प्रमाणपत्र देगा और स्टॉक एक्सचेंज या स्टॉक एक्सचेंज को इस भाव की सूचना भेजेगा।

7. आचार संहिता का स्टॉक दलालों द्वारा पालन करना :—किसी प्रमाणपत्र का धारक स्टॉक दलाल अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट आचार संहिता का सभी समय पर पालन करेगा।

8. रजिस्ट्रीकरण मंजूर न करने की दशा में प्रक्रिया :—(1) जहाँ विनियम 3 के अधीन कोई प्रमाणपत्र मंजूर करने के लिए कोई आवेदक विनियम 5 में उल्लिखित अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है, वहाँ बोर्ड मुनवाई का सुविनयुक्त अवसर देने के पश्चात् आवेदन को नार्मजूर कर सकेगा।

(2) बोर्ड द्वारा रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र देने से इंकार करने की संसूचना संबंधित स्टॉक एक्सचेंज और आवेदक को उन आवेदकों का कथन करने हुए जिन पर आवेदन नार्मजूर किया गया है इस प्रकार इकार करने के 30 दिन के भीतर दी जाएगी।

(3) कोई आवेदक उपविनियम (2) के अधीन बोर्ड के निर्णय से व्यथित होने पर ऐसी सूचना की प्राप्ति की तारीख से तीन दिन की अवधि के भीतर बोर्ड को अपने निर्णय पर पुनः विचार करने के लिए आवेदन कर सकेगा।

- (4) बोर्डे अविनियम (3) के अधीन लिए गए आवेदन पर पुन विचार करना और अपने निर्णय को लिखित संयुक्तता यथासाध्य शीघ्र आवेदक और संबंधित स्टाक एक्सचेंज को देगा।

9. रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के प्रकार करने का प्रभाव -- ऐसा स्टाक दलाल जिसका आवेदन बोर्डे द्वारा प्रमाणपत्र देने से नामजूर किया जा चुका है विनियम 8 के उपविनियम (2) के अधीन सूचना की प्राप्ति की तारीख से ही स्टाक दलाल के रूप में प्रतिभूतियों का क्रय, विक्रय या व्यवहार नहीं करेगा।

10 फीस का संदाय और फीस का सदाय करने में असफल होने के परिणाम (1) : -- प्रमाणपत्र मंजूरी के लिए पात्र प्रत्येक आवेदक ऐसी फीस का सदाय अनुसूची 3 में विनिर्दिष्ट रीति में करेगा।

परन्तु यह कि बोर्डे पर्याप्त दक्षिण कारणों से स्टाक दलाल को उस तारीख से जिसको ऐसी फीस शीघ्र हो जाती है छह मास के अवसमय में पूर्व किसी समय ऐसी फीस का सदाय करने के लिए अनुज्ञात कर सकेगा।

- (2) जहां कोई स्टाक दलाल विनियम 10 में उल्लिखित फीस का सदाय करने में असफल हो जाता है वहां बोर्डे रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र निलंबित कर सकेगा जिस पर स्टाक दलाल, स्टाक दलाल के रूप में प्रतिभूतियों का क्रय, विक्रय या व्यवहार बंद कर देगा।

अध्याय 3

उप दलालों का रजिस्ट्रीकरण

11 उप-दलालों का रजिस्ट्रीकरण का आवेदन -- (1) उप-दलाल द्वारा रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र मंजूरी के लिए आवेदन प्रेषण में किया जाएगा।

(2) ऊपर उपविनियम (1) के अधीन रजिस्ट्रीकरण के आवेदन के साथ, प्रेषण में उस मान्यताप्राप्त स्टाक एक्सचेंज के किसी स्टाक दलाल का सिफारिश पत्र जिस में उसे सह्यय होता है और दो व्यक्तियों का हस्ताक्षर जिसमें एक उस संकेतकार का हस्ताक्षर सम्मिलित है, लगा होगा।

(3) आवेदन, उस स्टाक एक्सचेंज को दिया जाएगा जिसका स्टाक दलाल सदस्य है जिस साथ उसे सह्यय होता है।

(4) स्टाक एक्सचेंज उपविनियम (3) के अधीन किसी आवेदन की प्राप्ति पर उसमें अन्तर्विष्ट सूचना सत्यापित करेगा और यह भी सत्यापित करेगा कि आवेदक उपविनियम (5) में विनिर्दिष्ट मापमान के अनुसार रजिस्ट्रीकरण के लिए पात्र है।

(5) उा दलाल के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए पात्रता मापमान निम्न प्रकार में होगी, अर्थात् --

(i) किसी व्यक्ति की दशा में, --

(क) आवेदक 21 वर्षों में कम की आयु का नहीं है,

(ख) आवेदक काट बेइमानी वाले किसी आराध के लिए दाव निरस्त नहीं हुआ है,

(ग) आवेदक न सरकार द्वारा मन्वताप्राप्त किसी सस्था में कम से कम आरहरे स्तर में समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण की है

परन्तु यह कि बोर्डे आवेदक के अनुभव को ध्यान में रखते हुए गुणागुण के आधार पर शैक्षिक अर्हताओं में छूट दे सकेगा।

(ii) किसी भागीदारी फर्म या निगमति निकाय की दशा में भागीदार या निदेशक, उपविनियम (i) के खंड (क) में खंड (ग) में अन्तर्विष्ट अपेक्षाओं को पूरा करेगा।

(6) स्टाक एक्सचेंज ऐसे आवेदकों के आवेदन प्रेषण जा उपविनियम (1) में उपविनियम (5) में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं को पूरा करने है, बोर्डे को यथासाध्य शीघ्र परस्तु इसकी प्राप्ति की तारीख में तीन दिन के भीतर भेज देगा।

12 रजिस्ट्रीकरण की प्रक्रिया -- (1) बोर्डे, यह समाधान होने पर कि उपदलाल रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र का पात्र है, उप-दलाल को प्रेषण में एक प्रमाणपत्र देगा और यथास्थिति स्टाक एक्सचेंज या स्टाक एक्सचेंजों को इस भाव की सूचना भेजेगा।

(2) बोर्डे आवेदक को नियम 3 में कथित निर्बंधनों और शर्तों के अधीन रहने हुए, रजिस्ट्रीकरण मंजूर कर सकेगा।

13 रजिस्ट्रीकरण मंजूर न करने की दशा में प्रक्रिया --

(1) जहां, विनियम 11 के अधीन कोई प्रमाणपत्र मंजूर करने के लिए कोई आवेदक विनियम 11 में उल्लिखित अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है, वहां बोर्डे मुनबाई का युक्तियुक्त अवसर देने के पश्चात् आवेदन को नामजूर कर सकेगा।

(2) बोर्डे द्वारा रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र देने में इन्कार करने की संयुक्तता संबंधित स्टाक एक्सचेंज और आवेदक को उन आधारे का कथन करते हुए, जिन पर आवेदन नामजूर किया गया है इस प्रकार इन्कार करने के तीन दिन के भीतर दी जाएगी।

(3) कोई आवेदक उप विनियम (2) के अधीन बोर्डे के निर्णय में व्यथित होने पर ऐसी सूचना की प्राप्ति की तारीख से तीन दिन की अवधि के भीतर बोर्डे को अपने निर्णय पर पुन विचार करने के लिए आवेदन कर सकेगा।

(4) बोर्डे उपविनियम (3) के अधीन किए गए आवेदन पर पुन विचार करेगा और अपने निर्णय को लिखित

संयोजन यथासाध्य शीघ्र प्रावेदक और संप्रतिन रटाक एक-चेंज की देगा।

14. इन्कार करने का प्रभाव —ऐसा व्यक्ति जिसका आवेदन प्रमाणपत्र देने के लिए बोर्ड द्वारा नामंजूर हो चुका है विनियम 13 के अधीन इन्कार करने की संभूतना की तारीख में ही उप-दलाल के कार्यकलापों का बन्द कर देगा।

15. माधायन बाध्यताएं और निरीक्षण —(1) उप-दलाल,—

(क) अनुसूची 3 में विनिर्दिष्ट फीम का मदाय करेगा,

(ख) अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट आचार संहिता का पालन करेगा,

(ग) अपने अधिकार और उत्तरदायित्वों के विस्तार को विनिर्दिष्ट करते हुए, स्टॉक दलाल के साथ एक करार करेगा,

(2) उप-दलाल विनियम 17 के उपविनियम (1) के खंड (ज), (झ), (ञ), (ट) (ठ) और (ड) में निर्दिष्ट बहियों और दस्तावेजों के सिवाय, विनियम 17 में विनिर्दिष्ट बही और दस्तावेजों को बनाए रखेगा।

16. अध्याय 4, 5 और 6 का लागू होना :— इन विनियमों के अध्याय 4, 5 और 6 के उपबन्ध किसी उप-दलाल को उसी प्रकार लागू होंगे, जिस पर किसी स्टॉक दलाल का लागू होते हैं।

अध्याय—4

माधायन बाध्यताएं और उत्तरदायित्व

17. सनुचित लेखा बहियों और अभिलेखों का रखा जाना :—

(1) प्रत्येक स्टॉक दलाल निम्नलिखित लेखा बहियों, अभिलेखों और दस्तावेजों को बनाए रखेगा :

(क) सव्यवहार रजिस्टर (मोदा बही)

(ख) ग्राहक खाता

(ग) माधायन खाता

(घ) रोजनामचे

(ङ) रोकड बही

(च) बैंक पास बुक

(छ) दस्तावेजों के रजिस्टर में प्राप्त और परिदत्त जेयर्स तथा प्रतिमतियों की विनिर्दिष्टां सम्मिलित होनी चाहिए।

(ज) उसने द्वारा उसी एकमवेज के सदस्यों के साथ भी गए सभी संविदाओं के व्योरो को बर्षित करने हुए सदस्यों की संविदा बही या प्रतिवर्ण अथवा

ऐसे अन्य सदस्यों का जारी किए गए पृष्ठितारक जापन की दूसरी प्रतिया।

(झ) ग्राहकों को जारी किए गए संविदा टिप्पणों के प्रतिवर्ण या दूसरी प्रतिया।

(ड) प्रधान के रूप में की गई संविदाओं की आवत ग्राहकों की लिखित सहभति।

(ट) मांजित निशेष बही।

(ठ) उप-दलालों का खाता रजिस्टर।

(ड) स्टॉक दलाल और ऐसे उप दलाल के अधिकार और दायित्व के विस्तार को विनिर्दिष्ट करने हुए, उप दलाल के साथ कोई करार।

(2) प्रत्येक स्टॉक दलाल बोर्ड को उस स्थान की सूचना देगा जहां लेखा बहिया अभिलेख और दस्तावेज रखे जाते हैं।

(3) उपविनियम (1) पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना प्रत्येक स्टॉक दलाल प्रत्येक लेखा अवधि को बन्द करने के पश्चात् बोर्ड को यदि ऐसा अपेक्षित हो यथासाध्य शीघ्र किन्तु अवधि के बन्द करने के छह मास के भीतर संपरीक्षित मुलन-पत्र और लाभ तथा हानि की प्रति जो उसने लेखा अवधि के अन्त में ही पेश करेगा।

परन्तु यह कि यदि ऊपर दस्तावेजों का विनिर्दिष्ट समय के भीतर देना संभव न हो तो स्टॉक दलाल बोर्ड को विलम्ब के कारणों सहित और उस अवधि की, जिस तक ऐसे दस्तावेज दिए जाएंगे, सूचित करना रहेगा।

18. लेखा बहियों और अभिलेखों का रखा जाना :— प्रत्येक स्टॉक दलाल विनियम 17 के अधीन रखे गए लेखा बहियों और अन्य अभिलेखों को कम से कम पांच वर्ष की अवधि तक संरक्षित रखेगा।

अध्याय 5

निरीक्षण की प्रक्रिया

19. बोर्ड का निरीक्षण करने का अधिकार :—

(1) जहां बोर्ड को ऐसा प्रतीत होता है तो यह उपविनियम (2) में विनिर्दिष्ट किसी प्रयोजन के लिए स्टॉक दलालों के लेखा बही, अन्य अभिलेखों और दस्तावेजों का निरीक्षण करने के लिए एक या अधिक व्यक्तियों को निरीक्षण प्राधिकारी नियुक्त कर सकेगा।

(2) उपविनियम (1) में निर्दिष्ट प्रयोजन निम्नलिखित होंगे, अर्थात् :—

(क) यह सुनिश्चित करना कि लेखा बहिया और अन्य बहिया अपेक्षित रीति में रखी जा रही हैं;

(ख) यह कि अधिनियम, नियमों, विनियमों और प्रति-भूति संविदा (विनियम) अधिनियम तथा नदधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों का पालन किया जा रहा है

- (ग) विनिधानकर्ताओं, अन्य स्टाक दलाल, उप-दलालों या ऐसे अन्य व्यक्तियों से ऐसे मामलों पर जिनका स्टाक दलालों के क्रियाकलापों पर प्रभाव है, प्राप्ति शिकायतों का अन्वेषण करना; और
- (घ) प्रतिभूति कारबार या विनिधानकर्ताओं के हितों, स्टाक दलालों के कामकाज के हित में स्वप्रेरणा से अन्वेषण करना ।

निरीक्षण की प्रक्रिया :— 20. (1) विनियम 19 के अधीन निरीक्षण करने से पूर्व बोर्ड उस प्रयोजन के लिए स्टाक दलाल को व्यक्तिगत सूचना देगा ।

(2) उपविनियम (1) में अन्तर्दिष्ट किसी बात के होते हुए भी जहां बोर्ड का यह समाधान हो जाना है कि विनिधानकर्ताओं के हित में या लोक हित में ऐसी सूचना नहीं दी जानी चाहिए तो बोर्ड लिखित आदेश द्वारा निदेश दे सकेगा कि स्टाक दलाल के कामकाज का निरीक्षण ऐसी सूचना दिए बिना किया जाए ।

(3) बोर्ड से शक्ति प्राप्त करने पर निरीक्षण प्राधिकारी, निरीक्षण करेगा और ऐसा स्टाक दलाल के जिसका निरीक्षण किया जा रहा है विनियम 21 के अधीन उपबंधित बाध्यताओं का पालन करने के लिए आवद्ध होगा ।

21. बोर्ड द्वारा निरीक्षण पर स्टाक दलाल की बाध्यताएं :—

(1) प्रत्येक ऐसे निदेशक, स्वामी, भागीदार, अधिकारी और स्टाक दलाल के कर्मचारी का जिसका निरीक्षण किया जा रहा है, कर्तव्य होगा कि वह निरीक्षण प्राधिकारी को ऐसे वही खाने और अन्य दस्तावेज पेश करे जो उसकी अभिरक्षा या नियंत्रण में है और ऐसे समय के भीतर जो उक्त अधिकारी अपेक्षा करे प्रतिभूति बाजार में सख्तवहार से संबंधित विवरणी और सूचना—उसे दे ।

(2) स्टाक दलाल निरीक्षण प्राधिकारी को उमरो या उसकी ओर से किसी अन्य व्यक्ति के अधिभोग के परिणाम में व्यक्तिगत रूप से आने देगा और किसी वही अभिलेख, दस्तावेज तथा संगणक आंकड़ों की परीक्षा करने की व्यक्तिगत सुविधा भी देगा जो स्टाक दलाल या किसी अन्य व्यक्ति के कब्जे में हों और ऐसे दस्तावेजों और अन्य समीकों की प्रतियां भी उपलब्ध कराएगा जो निरीक्षण प्राधिकारी की राय में सुसंगत हों ।

(3) निरीक्षण प्राधिकारी, निरीक्षण के अनुक्रम में किसी सदस्य, निदेशक, भागीदार, स्वामी और स्टाक दलाल के कर्मचारी के कथन की परीक्षा करने या लेखबद्ध करने का हक्का होगा ।

(4) प्रत्येक निदेशक, स्वामी, भागीदार, अधिकारी और स्टाक दलाल के कर्मचारी का यह कर्तव्य होगा कि वह निरीक्षण प्राधिकारी निरीक्षण के संबंध में ऐसी सारी सहायता दे जो किसी स्टाक दलाल में व्यक्तिगत रूप से प्राणयित हो ।

22. बोर्ड के समक्ष रिपोर्ट व पेश करना :— निरीक्षण प्राधिकारी यथा साध्य शीघ्र रिपोर्ट बोर्ड को पेश करेगा ।

23. निष्कर्ष आदि की संसूचना :— (1) बोर्ड निरीक्षण रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् स्टाक दलाल को निरीक्षण प्राधिकारी के निष्कर्ष पर बोर्ड द्वारा कोई कार्रवाई करने से पूर्व सुनवाई का व्यक्तिगत अवसर देने के लिए सुनिश्चित करेगा ।

(2) बोर्ड स्टाक दलाल से प्राप्त किसी स्पष्टीकरण पर, यदि कोई हो, स्टाक दलाल से ऐसे अध्युपाय ग्रहण करने जो बोर्ड प्रतिभूति बाजार के हित में आवश्यक समझे और अधिनियम, नियमों और विनियमों के उपबंधों के सम्मुख म अनुपालन की अपेक्षा करेगा ।

24. लेखा परीक्षा की नियुक्ति :— ऊपर अन्तर्दिष्ट किसी बात के होते हुए भी बोर्ड लेखा बहियों या स्टाक दलाल के कामकाज का अन्वेषण करने के लिए ग्रहित लेखा परीक्षक नियुक्त कर सकेगा ।

परन्तु यह कि इस प्रकार नियुक्त लेखा परीक्षक को निरीक्षण करने की वही शक्तियां होंगी जो विनियम 19 में उल्लिखित हैं और विनियम 21 में स्टाक दलाल की बाध्यताएं इस विनियम के अधीन अन्वेषण करने के लिए लागू होंगी ।

अध्याय 6

व्यतिक्रम की दशा में कार्रवाई की प्रक्रिया

25. व्यतिक्रम की दशा में कार्रवाई का दायित्व :— (1) ऐसा स्टाक दलाल जो,—

- (क) ऐसी शर्तों का पालन करने में असफल रहता है जिन पर अधीन रजिस्ट्रीकरण मंजूर किया गया है;
- (ख) अधिनियम, नियमों या विनियमों के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है;
- (ग) प्रतिभूति संविदा विनियम, अधिनियम या तदधीन बनाए गए नियमों का उल्लंघन करता है;
- (घ) स्टाक एक्सचेंज के नियमों, विनियमों या उपविधियों का उल्लंघन करता है;

तो यह उपविनियम (2) में विनिर्दिष्ट किसी शास्त्र का दायी होगी ।

(2) उपविनियम (1) में विनिर्दिष्ट शास्त्रों

- (क) किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए जाच के पश्चात् रजिस्ट्रीकरण का निलम्बन होगा; या
- (ख) रजिस्ट्रीकरण का रद्दकरण होगा ।

26. रजिस्ट्रीकरण का निलम्बन और रद्दकरण । (1) किसी स्टॉक दलाल के रजिस्ट्रीकरण के निलम्बन की शास्ति अधिरोपित की जा सकती यदि—

(i) स्टॉक दलाल अधिनियम, नियम और विनियमों के उपबंधों का अतिश्रमण करता है ;

(ii) स्टॉक दलाल अनुसूची 2 से उपाबद्ध आचार संहिता का अनुपालन नहीं करना है ;

(ii) स्टॉक दलाल—

(क) बोर्ड द्वारा अपेक्षित प्रतिभूतियों में उसके संबंधवार से संबंधित कोई सूचना देने में असफल रहता है,

(ख) गलत या मिथ्या सूचना देता है ;

(ग) बोर्ड द्वारा अपेक्षित नियत कालिक विवरणी प्रस्तुत नहीं करता है ,

(घ) बोर्ड द्वारा संचालित किसी जांच में सहयोग नहीं करता है ;

(iv) स्टॉक दलाल विनिधानकर्ताओं की शिकायतों का समाधान करने में असफल रहता है या इस निमित्त बोर्ड को समाधानप्रद रूप में उत्तर देने में असफल रहता है ;

(v) स्टॉक दलाल बाजार में छलसाधन या कीमत में फेरफार करने या संबंधित क्रियाकलापों में लगा रहता है ;

(vi) स्टॉक दलाल अवचार या अनुचित या गैर कारवारी अथवा गैरवृत्तिक आचरण का दोषी है ;

(vii) स्टॉक दलाल की वित्तीय अवस्था में इस सीमा तक ह्रास हो जाता है कि बोर्ड की यह राय हो कि उसका प्रतिभूति कारबार में बने रहना विनिधानकर्ताओं और अन्य स्टॉक दलालों के हित में नहीं है ;

(viii) स्टॉक दलाल फीस का संदाय करने में असफल रहता है ,

(ix) स्टॉक दलाल रजिस्ट्रीकरण की शर्तों का उल्लंघन करता है ;

(x) स्टॉक दलाल की सदस्यता स्टॉक एक्सचेंज द्वारा निलम्बित कर दी जाती है .

परन्तु यह कि बोर्ड लेखबद्ध किए जाने वाले कारणों से ऊपर उल्लिखित किस्म के लगातार व्यतिक्रम की दशा में स्टॉक दलाल के रजिस्ट्रीकरण के रद्द करने की शास्ति अधिरोपित कर सकेगा ।

(2) स्टॉक दलाल के रजिस्ट्रीकरण के रद्द करने की शास्ति अधिरोपित की जा सकती यदि—

(i) स्टॉक दलाल आतिरिक्त व्यवसाय विनियम या गठन करने वाले विनियमों के उपबंधों का उल्लंघन करता है

(ii) स्टॉक दलाल कपट का दोषी हो या किसी दण्डिक अपराध का दोषसिद्ध हो, और

(iii) स्टॉक दलाल की सदस्यता किसी स्टॉक एक्सचेंज द्वारा रद्द की गई हो ।

27. निलम्बन और रद्दकरण आदेश की रीति — निलम्बन या रद्दकरण की शास्ति का आदेश विनियम 28 में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसरण में कोई जांच करने के पश्चात् ही अधिरोपित किया जाएगा ।

28. जांच करने की रीति (1) बोर्ड विनियम 27 के अधीन जांच करने के प्रयोजन के लिए एक जांच अधिकारी नियुक्त कर सकेगा ।

(2) जांच अधिकारी स्टॉक दलाल को उसके रजिस्ट्रीकृत कार्यालय या उसके कारबार के मूल स्थान पर सूचना जारी करेगा ।

(3) स्टॉक दलाल ऐसी सूचना की प्राप्ति की तारीख से तीस दिन के भीतर जांच अधिकारी को उन दस्तावेजों की प्रतियों सहित या अन्य साक्ष्य सहित जिनको वह आधान बनाना है अथवा जिनकी बोर्ड द्वारा उससे वांछा की गई है, जवाब देगा ।

(4) जांच अधिकारी स्टॉक दलाल का उपविनियम (3) के अधीन दिए गए उत्तरों जवाब के समर्थन में मुनवाई का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

(5) जांच अधिकारी के समक्ष स्टॉक दलाल व्यक्तिगत रूप से या इस निमित्त उसकी ओर से सम्यक रूप से प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपस्थित हो सकेगा ।

परन्तु जांच के दौरान स्टॉक दलाल का प्रतिनिधित्व करने के लिए किसी प्लीडर या अधिवक्ता का अनुज्ञात नहीं किया जाएगा .

परन्तु यह आर कि जहां बोर्ड द्वारा किसी प्लीडर या अधिवक्ता को उप नियम (6) के अधीन प्रस्तुतीकरण (प्रिजेंटम) अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया हो तो वहां स्टॉक दलाल के लिए यह विधिपूर्ण होगा कि वह अपना मामला किसी प्लीडर या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत करे ।

(6) जांच अधिकारी यदि वह आवश्यक समझे तो बोर्ड से यह अनुरोध कर सकता है कि वह अपना मामला प्रस्तुत करने के लिए किसी प्रस्तुतिकरण अधिकारी की नियुक्ति करे ।

(7) जांच अधिकारी स्टॉक दलाल द्वारा दिए गए सभी सुमंगल तथ्यों और किए गए निवेदनों को ध्यान

में रखते हुए, बोर्ड को अधिनियम की जाने वाली शास्ति की सिफारिश करेगा तथा सूचना में प्रस्तावित शास्ति के न्यायोचित होने के बारे में भी अपनी रिपोर्ट देगा।

अनुसूची 1—प्रारूप

प्रश्न का

भारतीय प्रतिभूति और धितमय बोर्ड

(स्टॉक दलाल और उपदलाल) विनियम, 1992

(विनियम 3)

29 कारण बताओ सूचना और आदेश—(1) जोच अधिकारी से रिपोर्ट प्राप्त होने पर, बोर्ड उस पर विचार करेगा तथा कारण बताओ की ऐसी सूचना जारी करेगा कि शास्ति को वह जिसे समुचित मानता है वह क्यों न अधिरोपित की जाए।

(2) स्टॉक दलाल कारण बताओ सूचना के प्राप्त होने की तारीख से दसवीं दिवस के भीतर बोर्ड को उसका उत्तर भेजेगा।

(3) बोर्ड, कारण बताओ सूचना के उत्तर पर, यदि प्राप्त हुआ हो, पर विचार करने के पश्चात्, यथासंभव शीघ्र, परन्तु उत्तर की प्राप्ति से, यदि कोई हो, तीस दिवस के अग्रिमार्थ ऐसी आदेश पारित करेगा, जो वह ठीक समझे।

(4) उप विनियम (2) के अधीन पारित प्रत्येक आदेश स्वतः पूर्ण होगा और उसमें कथित निष्कर्षों के कारण जिसमें उस आदेश द्वारा अधिरोपित शास्ति का न्यायोचित होता है, दिए जाएंगे।

(5) बोर्ड उपविनियम (3) के अधीन पारित आदेश की एक-एक प्रति स्टॉक दलाल और जिस स्टॉक एक्सचेंज का वह सदस्य है, उसको और केन्द्र सरकार को भेजेगा।

30. स्टॉक दलाल के रजिस्ट्रिकरण का निर्वहन और रहकरण का प्रभाव—(1) स्टॉक दलाल निर्वहन की तारीख से ही स्टॉक दलाल के रूप में प्रतिभूतियों का क्रय, विक्रय या उनमें व्यवहार करना निर्वहन की अवधि के दौरान बंद कर देगा।

(2) स्टॉक दलाल रजिस्ट्रिकरण रद्द किये जाने की तारीख से ही तत्काल प्रभाव से स्टॉक दलाल के रूप में प्रतिभूतियों का क्रय, विक्रय अथवा उनमें व्यवहार करना बंद कर देगा।

31. निर्वहन के आदेश का प्रकाशन—विनियम 30 के उपविनियम (2) के अन्तर्गत पारित प्रमाणपत्र के निर्वहन अथवा रद्द किये जाने का आदेश बोर्ड द्वारा कम से कम दो दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जाएगा।

32. केन्द्र सरकार को अपील—बोर्ड के किसी आदेश से व्यथित कोई भी व्यक्ति सरकार को अपील प्रस्तुत कर सकता है।

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड में स्टॉक दलाल के रूप में रजिस्ट्रिकरण का आवाहन-पत्र।

स्टॉक एक्सचेंज का नाम

1. कीड संख्यांक सहित सदस्य का नाम।

2. सदस्य का पता।

3. सदस्य का व्यापार नाम।

4. गठन का स्वरूप—एक मात्र स्वत्वधारी, भागीदारों, निगमित निकाय या तृतीय संस्था, कृपया स्वत्वधारी/भागीदारी/निर्देशकों के नाम दीजिए।

5. शैक्षिक अर्हता

6. सदस्यता में प्रवेश की तारीख

7. क्या एक से अधिक स्टॉक एक्सचेंजों का सदस्य हैं? यदि है तो कीड संख्या सहित स्टॉक एक्सचेंजों के नाम दीजिए।

8. कार्यालय और निवास के फॉर्म, टेलीफोन और फोन नंबर दीजिए।

9. 21 फरवरी, 1992 के बाद किसी भी स्टॉक एक्सचेंज में प्रवेश दिए गए सदस्यों के मामले में स्टॉक एक्सचेंज में प्रवेश के समय दी गई सूचना की प्रति।

मैं यह घोषित करता हूँ कि हम प्रश्न में दी गई सूचना मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सही है।

तारीख

हस्ताक्षर

स्टॉक एक्सचेंज की सिफारिश

यह प्रमाणित किया जाता है कि इस स्टॉक एक्सचेंज के सदस्य हैं और उन्हें भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड में उनका रजिस्ट्रिकरण की सिफारिश की जाती है।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

प्रारूप ग

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(स्टाक-दलाल और उप-दलाल) विनियम 1992

(विनियम 11)

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड में उप-दलाल
के रूप में रजिस्ट्रीकरण का आवेदन-पत्र

1. आवेदक उप-दलाल का नाम
2. उप-दलाल, फर्म, निगमित निकाय के व्यापार नाम।
3. गठन का स्वरूप—एक मात्र स्वत्वधारी, भागीदारी, निगमित निकाय।
कृपया स्वत्वधारी, समस्त भागीदारों, निदेशकों, आदि के नाम दीजिए।
4. स्वत्वधारी, भागीदारों, निदेशकों, आदि की शैक्षिक अर्हताएं।
नाम हैमियत अर्हताएं
5. उस स्टोक-दलाल और स्टोक एक्सचेंज का नाम जिससे आवेदक संबद्ध है।
6. उप-दलाली प्राप्त करने की तारीख।
7. मूलभूत व्यवस्थाएं—कार्यालय और निवास के फैक्स, टेलेक्स, फोन नंबरों का उल्लेख कीजिए। कर्मचारियों की संख्या भी उपदर्शित की जाए।
कार्यालय का पता
फोन नं.
टेलेक्स नं.
फैक्स नं.
स्वत्वधारी, भागीदारों, निदेशकों आदि के प्रावसिक फोन नं.
8. शाखा कार्यालयों संख्या और उनकी अवस्थिति के साथ फोन, टेलेक्स और फैक्स नंबर सहित।

मैं यह प्रमाणित करता हूं कि आवेदन-पत्र के इस प्रारूप में दी गई सूचना मेरी/हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार सही है।

जिस स्टोक-दलाल से मैं/हम संबद्ध हूं/हैं मैं उसका सिफारिश पत्र और ऐसे दो अनमोदक व्यक्तियों के नाम जिनमें से एक बैंकर है, अपेक्षा किए गए अनुसार संलग्न है।

हस्ताक्षर

तारीख

स्टोक एक्सचेंज की सिफारिश

यह प्रमाणित किया जाता है कि
इस स्टोक एक्सचेंज के दलाल
से संबद्ध उप-दलाल हैं।

रजिस्ट्रीकरण के लिए उनके आवेदन-पत्र पर कोड द्वारा रजिस्ट्रीकरण किये जाने की सिफारिश की जाती है/नहीं की जाती है।

प्राधिकृत हस्ताक्षर-कर्ता
हस्ताक्षर

स्टोक एक्सचेंज

(प्रारूप ग)

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(स्टोक-दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992

जिस स्टोक-दलाल से उप-दलाल संबद्ध है उसके द्वारा दिया जाने वाला सिफारिश-पत्र

सेवा में,

स्टोक एक्सचेंज

प्रिय महोदय,

मैं/हम यह जानता हूं/जानते हैं कि
पुत्र श्री जिनकी आयु वर्ष है और जो में रहते हैं वे शेयरों और प्रतिभूतियों का कारबार करने के लिए हम से मैं उप-दलाल के रूप में संबद्ध हूं, मैं/हम इसकी पुष्टि करता हूं/करते हैं कि मेरे/हमारे माध्यम से (तारीख) से लेकर तक की अवधि के लिए यह कारबार करते रहे हैं और वे उप-दलाल के रूप में रजिस्टर किए जाने के लिए हैं ठीक और उचित व्यक्ति है।

मैं/हम इसकी भी पुष्टि करता हूं/करते हैं कि मैं/हम उनसे में भी प्रतिक्रिया वर्षों में परिचित हूं/हैं और उनकी वित्तीय पृष्ठभूमि, उनका नैतिक चरित्र और उनकी ईमानदारी अच्छी है। वे बहुधा कारबार करते रहे हैं और वे जब और जहां ही बाजार के बायसे उत्पन्न हुए हैं तब और जहां ही वे उन्हें पूरा करते रहे हैं।

मैं/हम उप-दलाल के रूप में शेयरों और प्रतिभूतियों का व्यवसाय करने के लिए रजिस्ट्रीकरण प्रदान किए जाने के उनके आवेदन की सिफारिश करता हूं/करते हैं। मैं/हम यह भी कथन करना चाहता हूं/चाहते हैं कि जो भी सूचना प्रस्तुत की गई है वह मेरी/हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार सही है और यदि आवेदन-पत्र प्रस्तुत किये जाने के पश्चात् की किसी तारीख को किसी महत्वपूर्ण सूचना की जानकारी, मुझे/हमें होती है तो मैं/हम उसका बारे में सूचित करने रहने का वचन देता हूं/दिने है।

मैं/हम जो स्टोक एक्सचेंज का सदस्य हूं/हैं एतद्वारा उपर्युक्त आवेदक की सिफारिश के लिए सहमत हूं/हैं।

भवदीय

सदस्य/सदस्यों के हस्ताक्षर

प्रस्ताव

अनुसूची—II

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड
(स्टाक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992
(विनियम 6)

रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र

बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 के अधीन बनाए गए नियमों और विनियमों के साथ पठित, उसकी धारा 12 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,-----स्टाक एक्सचेंज के सदस्य-----को स्टोक दलाल के रूप में प्रतिभूतियों का क्रय-विक्रय अथवा उसमें व्यवहार करने के लिए तथा ऐसे अन्य क्रियाकलापों की जिन्हें उक्त स्टोक एक्सचेंज द्वारा अनुज्ञात किया गया है करने के लिए नियमों में विहित शर्तों के अधीन रहते हुए और विनियमों के अनुसार रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र प्रदान करता है।

आवंटित रजिस्ट्रीकरण संख्यांक निम्नानुसार है :

यह प्रमाणपत्र तब तक विधिमान्य रहेगा जब तक इसे विनियमों के अनुसार निलंबित या रद्द नहीं कर दिया जाता है।

तारीख भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड के लिए और उसकी ओर से दिये गये आदेश से

प्रारूप ड

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(स्टाक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992

(विनियम 12)

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र

बोर्ड भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 के अधीन बनाये गये नियमों और विनियमों के साथ पठित, उसकी धारा 12 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,-----को नियमों के अधीन रहते हुए और विनियमों के अनुसार उप-दलाल के रूप में रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र प्रदान करता है।

आवंटित रजिस्ट्रीकरण संख्यांक निम्नानुसार है :

यह प्रमाणपत्र तब तक विधिमान्य रहेगा जब तक इसे विनियमों के अनुसार निलंबित या रद्द नहीं कर दिया जाता है।

तारीख

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड
के लिए और उसकी ओर से
दिये गए आदेश से

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड
(स्टाक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992

शेयर दलालों की आचार संहिता
(विनियम 7)

क साधारण

1. ईमानदारी : स्टोक दलाल अपने समस्त कारबार के संचालन में ईमानदारी तत्परता और आचरण में निष्पक्षता के उच्च मासदंड बनाए रखेगा।

2. समुचित कौशल और सावधानी का उपयोग :

स्टोक दलाल अपना सारा कारोबार चलाने के लिए उचित कौशल, सावधानी और कर्मठता में कार्य करेगा।

3. छल साधन : स्टोक दलाल छल साधक, कपटपूर्ण या प्रवचक संव्यवहारों अथवा स्कीमों में लिप्त नहीं होगा अथवा बाजार के संतुलन को बिगाड़ने अथवा व्यक्तिगत लाभ प्राप्त करने का दृष्टि से अफवाहें नहीं फैलाएगा।

4. अनाधार : स्टोक दलाल या तो अकेले ही अथवा अन्यो से मिलकर बनावटी (फाल्स) बाजार का निर्माण नहीं करेगा अथवा वह निवेशकों के हित के लिए अहितकर किसी कार्य अथवा ऐसे कार्य में लिप्त नहीं होगा जिसके परिणामस्वरूप बाजार के उचित और सुचारु संचालन में बाधा पड़ती है। कोई भी स्टोक दलाल बाजार में उचित स्तर से परे जो उसकी वित्तीय सुदृढ़ता (साउण्डनेस) के अनुरूप न हो, प्रत्यक्ष गट्टे-बाजी के कारबार में अपने आपको अन्तर्ग्रस्त नहीं करेगा।

5. कानूनी अपेक्षाओं का अनुपालन : स्टोक-दलाल अधिनियम के सभी उपबंधों, और सरकार, बोर्ड तथा स्टोक एक्सचेंज द्वारा समय-समय पर जारी उन नियमों और विनियमों का पालन करेगा जो उस पर लागू होते हैं।

ख. निवेशक के प्रति कर्तव्य :

(1) आदेशों का कार्यान्वयन : स्टोक दलाल ग्राहकों और निवेश करने वाली साधारण जनता के साथ के अपने व्यवहारों में प्रतिभूतियों के क्रय और विक्रय के उनके आदेशों का बाजार में उपलब्ध सर्वोत्तम मूल्य पर विश्वसनीय रूप से कार्यान्वयन करेगा और किसी छोटे निवेशक के साथ व्यवहार करने के लिए केवल उसमें निहित कारबार की मात्रा के आधार पर इंकार नहीं करेगा, स्टोक दलाल अपने ग्राहक को उसके आवेश के कार्यान्वित अथवा कार्यान्वित न किए जाने की सूचना तत्परता से और वह ग्राहकों द्वारा विक्रय की गई प्रतिभूतियों की अदा करेगा तथा वह ग्राहकों द्वारा खरीदी गई प्रतिभूतियों के शीघ्र परिदान की व्यवस्था करेगा।

(2) संविदा :—पत्र का जारी किया जाना :—स्टोक दलाल अपने ग्राहकों के सभी संव्यवहारों के लिए स्टोक एक्सचेंज द्वारा विनिर्दिष्ट किए गए प्रारूप में संविदा-पत्र अविन्यक्त जारी करेगा।

(3) न्यास-भंग:—स्टाक दलाल अपने ग्राहक के व्यक्तिगत निवेशों और उसकी गोपनीय स्वरूप की ऐसी अन्य सूचना किसी अन्य व्यक्ति को प्रकट नहीं करेगा अथवा उसकी खर्चा किसी अन्य से नहीं करेगा अथवा उसका अनुचित उपयोग नहीं करेगा जिसकी जानकारी उसे ग्राहक के साथ अपने कारोबारी संबंध के कारण हुई है।

(4) कारबार और कमीशन:

(क) स्टॉक दलाल दलाली अथवा कमीशन पैदा करने के एकमात्र उद्देश्य से प्रतिभूतियों के क्रय अथवा विक्रय को प्रोत्साहित नहीं करेगा।

(ख) स्टॉक दलाल ग्राहकों को किन्हीं विशिष्ट प्रतिभूतियों का लेन-देन करने के लिए उत्प्रेरित करने और उसके द्वारा दलाली अथवा कमीशन अर्जित करने के लिए अपने को समर्थ बनाने की दृष्टि से ग्राहकों को भावों की झूठी अथवा भ्रामक कोटेशन अथवा झूठी या गुमराह करने वाली सलाह अथवा सूचना नहीं देगा।

(5) व्यक्तिग्री ग्राहकों का कारबार: जो ग्राहक किसी अन्य दलाल के साथ प्रतिभूतियों के संबंध में किये गये अपने वायव्यों को पूरा करने में विफल रहा हो उसके साथ कोई भी स्टॉक दलाल जान-बूझकर, प्रत्यक्षतः अथवा परोक्षतः कारबार का कोई व्यवहार अथवा संव्यवहार नहीं करेगा अथवा उसका कोई आदेश कार्यान्वित नहीं करेगा।

(6) ग्राहकों के प्रति निष्पक्षता (फेयरनेस): जब कोई स्टॉक दलाल किसी ग्राहक के साथ व्यवहार करेगा तब वह यह प्रकट करेगा कि क्या वह प्रमुख दलाल अथवा अभिकर्ता के रूप में कार्य कर रहा है और इसके साथ ही वह यह सुनिश्चित करेगा कि उसके और ग्राहकों के बीच हित (इंटरेस्ट) का कोई टकराव उत्पन्न न हो, हित का टकराव होने की स्थिति में वह ग्राहक को तदनुसार सूचित करेगा तथा वह इस परिस्थिति से प्रत्यक्ष या परोक्ष निजी लाभ प्राप्त करने की कोशिश नहीं करेगा तथा वह ग्राहकों के हित को अपने खुद के हित से निम्न स्तर का नहीं समझेगा।

(7) निवेश की सलाह: जिस किसी ग्राहक से किन्हीं प्रतिभूतियों को अर्जित करने, उनके व्ययन अथवा प्रतिधारित करने की स्टॉक के लिए दलाल की सिफारिश पर भरोसे करने की प्रत्याशा की जा सकती है। उससे वह इस संबंध में उस समय तक कोई सिफारिश नहीं करेगा जब तक उसके पास यह विश्वास करने के युक्तियुक्त आधार न हो कि ऐसे ग्राहक की स्वयं की प्रतिभूतिधारिता, वित्तीय स्थिति और ऐसे निवेश के उद्देश्यों को यदि उक्त ग्राहक द्वारा प्रकट किया जाना है तो तथ्यों के आधार पर सिफारिश उपयुक्त है। स्टॉक दलाल को ग्राहकों से ऐसी सूचना मांगना उचित लगे वहां उसे ऐसी सूचना मांगनी चाहिए।

(8) स्टॉक-दलाल की क्षमता: स्टॉक दलाल के पास अपने ग्राहकों को उचित, शीघ्र और दक्ष सेवाएं प्रदान करने के लिए

पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित कर्मचारी और व्यवस्थाएं होनी चाहिए।

ग. स्टॉक दलाल और स्टॉक दलालों:

(1) व्यवहारों का किया जाना: स्टॉक दलाल मिलान न हुए संव्यवहारों का मिलान करने में अन्य सविदाकारी पक्षकार के साथ सहयोग करेगा। स्टॉक दलाल जानबूझकर और स्वेच्छपूर्वक ऐसे दस्तावेज परिदत्त नहीं करेगा जिनसे बुरा परिदान बनता है और वह ऐसे दस्तावेज के तत्परता से प्रतिस्थापन के लिए अन्य सविदाकारी पक्षकार के साथ सहयोग करेगा जिन्हें बुरे परिदान के रूप में घोषित किया गया हो।

(2) ग्राहकों के हितों का संरक्षण: स्टॉक दलाल अपने ग्राहकों के लाभार्थों, बोनस शायरो और अधिकारश्रित शायरो के अधिकारों तथा ऐसी प्रतिभूतियों से संबंधित अन्य किस अधिकार से संबंधित हितों के संरक्षण के लिए अन्य स्टॉक दलालों को पूर्णतम सहयोग प्रदान करेगा।

(3) स्टॉक दलालों के साथ संव्यवहार: कोई भी स्टॉक दलाल अन्य स्टॉक दलालों के साथ अपने संव्यवहार करेगा और वह उनके साथ किये गये संव्यवहारों के निपटान को पूरा करने में वह अपने उत्तरदायित्वों का पालन करेगा।

(4) विज्ञापन और प्रचार: स्टॉक दलाल अपने कारबार का सार्वजनिक रूप से विज्ञापन तब तक नहीं करेगा जब तक स्टॉक एक्सचेंज द्वारा उसके लिए अनुज्ञात न किया गया हो।

(5) ग्राहकों का उत्प्रेरण: स्टॉक दलाल अन्य स्टॉक दलालों के ग्राहकों को उत्प्रेरित करने के लिए अनुचित उपायों का सहारा नहीं लेगा।

(6) झूठी अथवा भ्रामक विवरणियां: स्टॉक दलाल आवश्यक विवरणियां प्रस्तुत करने में उपेक्षा नहीं करेगा, चूक नहीं करेगा अथवा उन्हें प्रस्तुत करने से इंकार नहीं करेगा तथा यह बोर्ड और स्टॉक एक्सचेंजों को प्रस्तुत की जाने वाली किसी अप्रशिक्षित विवरणी में कोई झूठा अथवा भ्रामक विवरण नहीं देगा।

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टॉक दलाल और उप दलाल) विनियम, 1992

उप दलालों के लिए आचार संहिता
(विनियम 15)

क. साधारण

1. ईमानदारी: उप दलाल अपने समस्त निवेश कारबार के संचालन में ईमानदारी, तत्परता और निष्पक्षता के उच्च मान-दंड बनाए रखेगा।

2. समुचित कौशल और सावधानी का उपयोग: उप दलाल अपने समस्त निवेश कारबार के संचालन में उचित कौशल, सावधानी और कर्मठता से कार्य करेगा।

ख. निवेशक के प्रति कर्तव्य

(1) आदेशों का कार्यान्वयन. उप-दलाल ग्राहकों और निवेश करने वाली सामान्य जनता के साथ किये जाने वाले अपने व्यवहारों में प्रतिभूतियों के क्रय और विक्रय के उनके आदेशों को बाजार में उपलब्ध सर्वोत्तम मूल्य पर विश्वसनीय रूप से कार्यान्वित करेगा। उप-दलाल अपने ग्राहक को किसी आदेश के कार्यान्वित किये जाने अथवा उसके कार्यान्वित न किये जाने की तत्परता से सूचना देगा तथा ग्राहकों द्वारा विक्रय की गई प्रतिभूतियों की बाबत सदाय करेगा तथा उनके द्वारा क्रय की गई प्रतिभूतियों के शीघ्र परिदान की व्यवस्था करेगा।

(2) क्रय या विक्रय पत्रों का जारी किया जाना:

(क) उप-दलाल अपने ग्राहकों के साथ किये गये सभी संव्यवहारों के लिए क्रय या विक्रय पत्र तत्परता से जारी करेगा।

(ख) उप-दलाल विनिर्दिष्ट प्ररूप में सभी संव्यवहारों की बाबत अपने ग्राहकों को स्क्रिप्टवार अलग क्रय और विक्रय पत्र तथा बैसी ही बिल और रसीदें जिनमें दलाली प्रथक दर्शाते हुए जारी करेगा।

(ग) उप-दलाल अपने सबद्ध दलाल द्वारा उसे मूलतः जारी किये गये सविदा-पत्र को ग्राहकवार और स्क्रिप्टवार विभिन्न मूल्य वर्गों में केवल विभाजन ही करेगा।

(घ) उप-दलाल अपने ग्राहकों के क्रय और विक्रय के आदेशों का मेल (मैच) नहीं करेगा और ऐसा प्रत्येक आदेश सदैव स्टॉक एक्सचेंज के उस सबद्ध दलाल के माध्यम से पूरा किया जाएगा जिसके साथ वह सबद्ध हो।

(3) न्याय-भंग. उप-दलाल अपने ग्राहक के व्यक्तिगत निवेशों और उसकी गोपनीय स्वरूप की ऐसी अन्य सूचना किसी अन्य व्यक्ति को प्रकट नहीं करेगा अथवा उसकी चर्चा किसी अन्य से नहीं करेगा अथवा उसका अनुचित उपयोग नहीं करेगा जिसकी जानकारी उसे ग्राहक के साथ अपने कारोबारी संबंधों के कारण हुई है।

(4) कारबार और कमीशन:

(क) उप-दलाल/दलाली अथवा कमीशन पैदा करने के एक मात्र उद्देश्य से प्रतिभूतियों के क्रय या विक्रय को प्रोत्साहित नहीं करेगा।

(ख) उप-दलाल ग्राहकों को किन्हीं विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का कारबार करने के लिए उत्प्रेरित करने और इसके द्वारा स्वयं को दलाली या कमीशन अर्जित करने में समर्थ बनाने की दृष्टि से ग्राहकों को झूठी अथवा भ्रामक कोटेशन नहीं देगा अथवा उन्हें कोई अन्य झूठी अथवा गुमराह करने वाली सलाह अथवा सूचना नहीं देगा।

(ग) उप-दलाल अपने ग्राहकों से संबंधित क्रय या विक्रय पत्रों में उल्लिखित मूल्य के एक प्रतिशत के ऊँचे गुने से अधिक कमीशन नहीं लेगा।

(5) व्यतिकर्मी ग्राहकों का कारबार: जो ग्राहक प्रतिभूतियों से संबंधित अपने वायदों का पूरा करने में विफल रहा है और जो किसी अन्य दलाल या उप-दलाल का व्यतिकर्मी है उसके साथ उप-दलाल जानबूझकर, प्रत्यक्षतः या परोक्षतः कारबार का कोई व्यवहार अथवा संव्यवहार नहीं करेगा या उसका कोई आदेश कार्यान्वित नहीं करेगा।

(6) ग्राहकों के प्रति निष्पक्षता (फेयरनेस): उप-दलाल किसी ग्राहक से व्यवहार करने समय यह बताएगा कि वह अधिकर्ता के रूप में कार्य कर रहा है और उसके साथ ही वह यह सुनिश्चित करते हुए समुचित क्रय/विक्रय पत्र जारी करेगा कि उसके और ग्राहक के बीच हित का कोई टकराव (कनफ्लिक्ट) उत्पन्न नहीं, हित के टकराव की स्थिति में वह ग्राहक को तदनुसार सूचित करेगा और वह इस परिस्थिति से प्रत्यक्ष या परोक्ष व्यक्तिगत लाभ प्राप्त करने की कोशिश नहीं करेगा तथा वह ग्राहकों के हित को अपने खुद के हित से कम स्तर का नहीं समझेगा।

(7) निवेश की सलाह: जिन किसी ग्राहक से किन्हीं प्रतिभूतियों के अर्जित करने, उनका व्ययन अथवा प्रतिधारित करने के लिए उप-दलाल की सिफारिश पर भरोसा करने की प्रत्याशा की जा सकती है उससे उप-दलाल तब तक कोई सिफारिश नहीं करेगा जब तक उसके पास यह विश्वास करने के युक्तियुक्त आधार नहीं कि ऐसे ग्राहक द्वारा अपनी स्वयं की प्रतिभूतिधारिता, वित्तीय परिस्थिति और ऐसे निवेश के उद्देश्यों के यदि उक्त ग्राहक द्वारा प्रकट किया जाता है तो तथ्यों के आधार पर सिफारिश उपयुक्त है। उप-दलाल को ग्राहकों से किसी सूचना का मांगना उचित लगे वहां उसे ऐसी सूचना मांगनी चाहिए।

(8) उप-दलाल की क्षमता. उप दलाल के पास अपने ग्राहकों को उचित, शीघ्र और दक्ष सेवाएं प्रदान करने के लिए पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित कर्मचारी और नियमनकारी तंत्र के निरन्तर पालना का व्यवस्थापन होनी चाहिए।

ग. उप-दलाल और स्टॉक दलाल:

(1) व्यवहारों का किया जाना: उप-दलाल मिलान न हुए संव्यवहारों का मिलान करने में अपने दलाल के साथ सहयोग करेगा। उप-दलाल जानबूझकर और स्वेच्छापूर्वक ऐसे दस्तावेजों का परिदान नहीं करेगा जिनसे बुरा परिदान बनता है। उप-दलाल ऐसे प्रलेखों का तत्परता से प्रतिस्थापन के लिए अन्य सविदाकारी पक्षकार के साथ सहयोग करेगा जिन्हें बुरे परिदान के रूप में घोषित किया गया हो।

(2) ग्राहकों के हितों का संरक्षण: उप-दलाल अपने ग्राहकों को लाभांशों, बोनस-शेयरों और अधिकारवित्त शेयरों के अधिकारों तथा ऐसे प्रतिभूतियों से संबंधित अन्य से संव्यवहार किसी अधिकार से संबंधित हितों के संरक्षण के लिए अपने स्टॉक दलाल से पूर्णतम सहयोग करेगा।

(3) दलालों से संव्यवहार: उप-दलाल अपने दलाल के साथ स्टॉक-दलाली के संव्यवहारों को पूरा करने में चूक नहीं

करेगा और न ही वह अपने कारोबारी वायित्व पूरे करने में चूक करेगा अथवा वह उसके साथ के अपने व्यवहारों का निपटान करने में लापरवाही नहीं दर्शायेगा।

(4) दलालों के बीच कानूनी करार: उप-दलाल अपने सबद्वकर्ता दलालों के साथ ऐसा करार अथवा ऐसी सविदा निष्पादित करेगा जिसमें उप-दलाल के अधिकार और उत्तरदायित्व स्पष्टतः निर्दिष्ट किए गये हों।

(5) विज्ञापन और प्रचार: उप-दलाल अपने कारबार का सार्वजनिक रूप से विज्ञापन तब तक नहीं करेगा जब तक स्टाक एक्सचेंज द्वारा उसके लिए अनुज्ञात न किया गया हो।

(6) ग्राहकों का उत्प्रेरण: उप-दलाल अन्य दलालों के ग्राहकों को उत्प्रेरित करने के लिए अनुचित उपायों का सहारा नहीं लेगा।

घ. उप-दलाल और नियामक प्राधिकारी :

(1) साधारण आचरण: कोई उप दलाल शेयर बाजार में अनादरकारी, निष्कृष्ट या विच्छिन्न अथवा अनुचित आचरण में लिप्त नहीं होगा और न ही वह स्वेच्छा से स्टाक एक्सचेंज के कारबार में बाधा डालेगा। वह स्टाक एक्सचेंज के नियमों, उप नियमों और विनियमों का अनुपालन करेगा।

(2) सूचना देने में विफलता: कोई उप दलाल बोर्ड अथवा उस स्टाक एक्सचेंज को जिसके साथ वह रजिस्ट्रीकृत है उसकी ऐसी बहियों, विशेष विवरणियों, पत्राचार, वस्तावेजों और कागजातों तथा उनके किसी ऐसे भाग को प्रस्तुत करने में उपेक्षा या इंकार नहीं करेगा अथवा विफल नहीं होगा जिनकी उससे अपेक्षा की जाए।

(3) झूठी अथवा भ्रामक विवरणियां: कोई उप-दलाल अपेक्षित विवरणियां प्रस्तुत करने में उपेक्षा नहीं करेगा अथवा चूक नहीं करेगा अथवा उन्हें प्रस्तुत करने से इंकार नहीं करेगा तथा वह बोर्ड और स्टाक एक्सचेंजों को प्रस्तुत की जाने वाली किसी अपेक्षित विवरणी में कोई झूठा अथवा भ्रामक विवरण नहीं देगा।

(4) छलसाधन: कोई उप-दलाल छलसाधक, कपटपूर्ण या प्रवचक संव्यवहारों या स्कामों में लिप्त नहीं होगा अथवा वह बाजार का संतुलन बिगाड़ने अथवा व्यक्तिगत लाभों की दृष्टि में अफवाहें नहीं फैलाएगा।

(5) अनाचार: कोई उप-दलाल या तो अकेले ही या अन्य से मिलकर बनावटी बाजार का निर्माण नहीं करेगा अथवा वह किसी ऐसे कार्य में लिप्त नहीं होगा जो जनहित में अहितकर हो अथवा जिसके फलस्वरूप स्टाक एक्सचेंजों के बाजार तंत्रों के निष्पक्ष और सुचारू कार्यों में हस्तक्षेप होता हो। कोई भी उप-दलाल बाजार में उचित स्तर से परे जो उसकी वित्तीय सुदृढ़ता के अनुरूप न हो, अत्यधिक मूटवाजी के कारबार में अपने आप को अन्तर्गुप्त नहीं करेगा।

अनुसूची—III

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(स्टाक दलाल और उप दलाल) विनियम, 1992

(विनियम 10)

I. स्टाक-दलाल द्वारा सदेय फीस

(1) प्रत्येक स्टाक दलाल इस अनुसूची के पैरा 2 और 3 के अधीन रहते हुए, रजिस्ट्रीकरण फीस का संदाय निम्ने उपबर्णित रीति में करेगा;

(क) जहां किसी वित्तीय वर्ष के दौरान वार्षिक व्यापार-वर्त (टर्न ओवर) एक करोड़ रुपए से अधिक नहीं वहां प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए पांच हजार रुपए की राशि;

(ख) जहां किसी वित्तीय वर्ष के दौरान स्टाक-दलाल का वार्षिक व्यापारवर्त एक करोड़ रुपए से अधिक होता है वहां प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए पांच हजार रुपए धन एक करोड़ रुपये से अधिक है व्यापार-वर्त के एक प्रतिशत के सौवें भाग की राशि;

(ग) स्टाक-दलाल के रूप में अपने प्रारंभिक रजिस्ट्रीकरण की तारीख से पांच वित्तीय वर्षों की समाप्ति के बाद वह प्रारंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रदान किये जाने की तारीख के बाद के छठे वित्तीय वर्ष में प्रारंभ करके पांच वित्तीय वर्षों के एक खंड के लिए पांच हजार रुपयों की राशि का संदाय करेगा ताकि उसका रजिस्ट्रीकरण प्रभावशील बना रहे।

2. उपर्युक्त पैरा 1 के खंड (क) और खंड (ख) में उल्लिखित फीस का संदाय:—

(क) वित्तीय वर्ष 1992-93 की बाबत इन विनियमों के प्रारंभ होने के एक माह के भीतर किया जाएगा;

(ख) अप्रैल, 1993 की पहली तारीख को आरंभ होने वाले वित्तीय वर्ष और उसके बाद के वित्तीय वर्षों के लिए उस वित्तीय वर्ष में जिसमें संबंधित उक्त संदाय है अक्टूबर की पहली तारीख को या उससे पहले किया जाएगा और ऐसी फीस की संगणना पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष से संबंधित वार्षिक व्यापारवर्त के प्रति निर्देश से दी जाएगी।

3. पैरा 1 के खंड (क) और खंड (ख) में निर्दिष्ट फीस के प्रत्येक प्रेषण के साथ उस व्यापारवर्त जिसके आधार पर फीस की संगणना दी गई है, की अधिप्रामाणिकता के रूप में उस स्टाक एक्सचेंज जिसका कि स्टाक दलाल सदस्य है या कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 226 में यथापरिभाषित किसी अहित संगरीक्षक द्वारा सम्यक् रूप से हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र संलग्न किया जाएगा।

स्पष्टीकरण: पैरा 1, 2 और 3 के प्रयोजनों के लिए "वार्षिक व्यापारवर्त" से किसी वित्तीय वर्ष के दौरान प्रति-

भूतियों की विक्रय और क्रय अथवा उनके व्यवहार के लिए स्टाक दलाल द्वारा स्वयं अपने हिसाब में और साथ ही अपने ग्राहकों के लिए प्रतिभूतियों के प्राप्ति अथवा प्राप्य विक्रय और क्रय मूल्यों का योग अभिप्रेत है।

II. उप-दलाल द्वारा सदेय फीस:—

- (क) उप-दलाल पांच वर्षों की प्रारम्भिक अवधि के प्रत्येक वर्ष के लिए एक हजार रुपये की फीस का संदाय करेगा।
- (ख) उपर्युक्त पांच वर्षों की समाप्ति के बाद उप-दलाल प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए पांच सौ रुपये की तब तक फीस का संदाय करता रहेगा जब तक उसका प्रमाणपत्र प्रभावशील रहता है।

III. फीस संदाय की रीति:—

उपर उपर्युक्त फीस प्रत्येक वर्ष के अक्टूबर की पहली तारीख को अथवा उसके पहले "प्रतिभूति और विनियम बोर्ड" के पक्ष में मुबई में देय बैंक, ड्राफ्ट अथवा अन्य लिखत में भेजा जायेगा।

[(फा. सं. 20/7/एसई/92)]

जी.बी. रामकृष्ण, अध्यक्ष,
भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, October 23, 1992

Securities and Exchange Board of India

(Stock Brokers and Sub-brokers) Regulations, 1992

S.O. 780(E).—In exercise of the powers conferred by section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act 1992 (15 of 1992) the Board hereby, with the previous approval of the Central Government makes the following regulations, namely :—

CHAPTER I

Preliminary

1. Short title and commencement.—(1) These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Stock-brokers and sub-brokers) Regulations, 1992.

(2) These regulations shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these regulations, unless the context otherwise requires :—

(a) "enquiry officer" means any officer of the BBoard, or any other person, having experience in dealing with the problems relating to the securities market, who is appointed by the Board under Chapter VI;

(b) "form" means a form specified in Schedule I;

(c) "inspecting authority" means one or more persons appointed by the Board to exercise powers conferred under Chapter V of these regulations ;

(d) "regulations" means Securities and Exchange Board of India (Stock-brokers and Sub-brokers) Regulations, 1992;

(e) "rules" means Securities and Exchange Board of India (Stock-brokers and Sub-brokers) Rules, 1992;

(f) "Securities Contracts (Regulation) Act" means the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956);

(g) "small investor" means any investor buying or selling securities on a cash transaction for a market value not exceeding rupees fifty thousand in aggregate on any day as shown in a contract note issued by the stock-broker.

(h) All other words and expressions occurring in these regulations shall bear the same meaning as in the Act and the rules.

CHAPTER II

REGISTRATION OF STOCK BROKERS

3. Application for registration of stock broker.—(1) An application by a stock-broker for grant of a certificate shall be made in Form A through the stock exchange or stock exchanges, as the case may be, of which he is admitted as a member.

(2) The stock exchange shall forward the application form to the Board as early as possible but not later than thirty days from the date of its receipts.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), any application made by a stock-broker prior to coming into force of these regulations containing such particulars or as near thereto as mentioned in the Form A shall be treated as an application made in pursuance of sub-regulation (1) and dealt with accordingly :

Provided that the requirement of the payment of fees shall be the same as is referred to in sub-regulation (1) of regulation 10.

4. Furnishing of information, clarification, etc.—The Board may require the applicant to furnish such further information or clarifications, regarding the dealings in securities and matters connected thereto to consider the application for grant of a certificate.

(2) The applicant or, its principal officer shall, if so required, appear before the Board for personal representation.

5. Consideration of application.—The Board shall take into account for considering the grant of a certificate all matters relating to buying, selling, or dealing in securities and in particular the following, namely, whether the stock broker—

(a) is eligible to be admitted as a member of a stock exchange;

- (b) has the necessary infrastructure like adequate office space equipments and manpower to effectively discharge his activities;
- (c) has any past experience in the business of buying, selling or dealing in securities,
- (d) is subjected to disciplinary proceedings under the rules, regulations and bye-laws of a stock exchange with respect to his business as a stock-broker involving either himself or any of his partners, directors or employees.

6 Procedure for registration —The Board on being satisfied that the stock-broker is eligible, shall grant a certificate in Form D to the stock-broker and send an intimation to that effect to the stock exchange or stock exchanges as the case may be.

7 Stock brokers to abide by Code of Conduct —The stock broker holding a certificate shall at all times abide by the Code of Conduct as specified in Schedule II

8 Procedure where registration is not granted —(1) Where an application for grant of a certificate under regulation 3, does not fulfil the requirements mentioned in regulation 5, the Board may reject the application after giving a reasonable opportunity of being heard

(2) The refusal to grant the registration certificate shall be communicated by the Board within thirty days of such refusal to the concerned stock exchange and to the applicant stating therein the grounds on which the application has been rejected

(3) An applicant may, being aggrieved by the decision of the Board under sub-regulation (2) apply within a period of thirty days from the date of receipt of such intimation, to the Board for reconsideration of its decision

(4) The Board shall reconsider an application made under sub-regulation (3) and communicate its decision as soon as possible in writing to the applicant and to the concerned stock-exchange

9 Effect of refusal of certificate of registration —A stock-broker, whose application for grant of a certificate has been refused by the Board, shall not, on and from the date of the receipt of the communication under the sub-regulation(2) of regulation 8 buy, sell, or deal securities as a stock broker

10 Payment of fees and the consequences of failure to pay fees —(1) Every applicant eligible for grant of a certificate shall pay such fees and in such manner as specified in Schedule III

Provided that the Board may on sufficient cause being shown permit the stock-broker to pay such fees at any time before the expiry of six months from the date on which such fees become due

(2) Where a stock-broker fails to pay the fees as provided in regulation 10, the Board may suspend the registration certificate whereupon the stock-broker shall cease to buy, sell or deal in securities as a stock-broker

CHAPTER III

REGISTRATION OF SUB-BROKERS

11 Application for registration of sub-broker —

(1) An application by a sub-broker for the grant of a certificate shall be made in Form B

(2) The application for registration under sub-regulation (1) above, shall be accompanied by a recommendation letter in Form C from a stock-broker of a recognised stock exchange with whom he is to be affiliated along with two references including one from his banker

(3) The application form shall be submitted to the stock exchange of which the stock-broker with whom he is to be affiliated is a member

(4) The stock exchange on receipt of an application under sub-regulation (3) shall verify the information contained therein and shall also certify that the applicant is eligible for registration as per criteria specified in sub-regulation (5)

(5) The eligibility criteria for registration as a sub broker shall be as follows, namely —

(i) in the case of an individual —

- (a) the applicant is not less than 21 years of age,
- (b) the applicant has not been convicted of any offence involving fraud or dishonesty,
- (c) the applicant has at least passed 12th standard equivalent examination from an institution recognised by the Government

Provided that the Board may relax the educational qualifications on merits having regard to the applicant's experience —

(ii) In the case of partnership firm or a body corporate the partners or directors, as the case may be, shall comply with the requirements contained in clause (a) to (c) of sub-regulation (i)

(6) The stock exchange shall forward the application form of such applicants who comply with all the requirements specified in sub-regulations (1) to (5) to the Board as early as possible, but not later than thirty days from the date of its receipt

12 Procedure for registration —(1) The Board on being satisfied that the sub-broker is eligible, shall grant a certificate in Form E to the sub-broker and send an intimation to that effect to the stock exchange or stock exchanges as the case may be

(2) The Board may grant a certificate of registration to the applicant subject to the terms and conditions as stated in rule 5

13 Procedure where registration is not granted.--

(1) Where an application for grant of a certificate under regulation 11, does not fulfil the requirements mentioned in regulation 11, the Board may reject the application after giving a reasonable opportunity of being heard

(2) The refusal to grant the certificate shall be communicated by the Board within thirty days of such refusal to the concerned stock exchange and to the applicant in writing stating therein the grounds on which the application has been rejected.

(3) An applicant may being aggrieved by the decision of the Board under sub-regulation (2) may within a period of thirty days from the date of receipt of such intimation, apply to the Board for reconsideration of its decision.

(4) The Board shall reconsider an application made under sub-regulation (3) and communicate its decision as soon as possible in writing to the applicant and to the concerned stock exchange.

14. Effect of refusal.—A person whose application for grant of a certificate has been refused by the Board shall, on and from the date of the communication of refusal under regulations 13, cease to carry on any activity as a sub-broker.

15. General Obligations and Inspection.—(1) The sub-broker shall—

- (a) pay the fees as specified in Schedule III;
- (b) abide by the Code of Conduct specified in Schedule II;
- (c) enter into a agreement with the stock broker for specifying the scope of his authority and responsibilities.

(2) The sub-broker shall keep and maintain the books, and documents specified in regulation 17 except for the books and documents referred to in clauses (h), (i), (k) (l) and (m) of sub-regulation (1) of regulation 17.

16. Application of Chapter IV, V & VI.—The provisions of Chapter IV, V and VI of these regulations shall apply to a sub-broker as they apply in case of a stock-broker.

CHAPTER IV

GENERAL OBLIGATIONS AND RESPONSIBILITIES

17. To maintain proper books of accounts records etc.—(1) Every Stock Broker shall keep and maintain the following books of accounts, records and documents, namely :—

- (a) Register of transactions (Sauda Book)
- (b) Clients ledger
- (c) General ledger
- (d) Journals
- (e) Cash book
- (f) Bank pass book
- (g) Documents register should include particulars of shares and securities received and delivered.

(h) Members' contract books showing details of all contracts entered into by him with other members of the same exchange or counterfoils or duplicates of memos of confirmation issued to such other members.

(i) Counterfoils or duplicates of contract notes issued to clients.

(j) Written consent of clients in respect of contracts entered into as principals.

(k) Margin deposit book.

(l) Registers of accounts of sub-brokers.

(m) an agreement with a sub-broker specifying the scope of authority and responsibilities of the Stock Broker and such Sub-Broker.

(2) Every stock broker shall intimate to the Board the place where the books of accounts, records and documents are maintained.

(3) Without prejudice to sub-regulations (1), every stock broker shall, after the close of each accounting period furnish to the Board if so required as soon as possible but not later than six months from the close of the said period a copy of the audited balance sheet and profit and loss account as at the end of the said accounting period;

Provided that, if it is not possible to furnish the above documents within the time specified, the stock broker shall keep the Board informed of the same together with the reasons for the delay and the period of time by which such documents would be furnished.

18. Maintenance of books of accounts and records—Every Stock Broker shall preserve the books of account and other records maintained under regulation 17 for a minimum period of five years.

CHAPTER V

PROCEDURE FOR INSPECTION

19. Board's right to inspect.—(1) Where it appears to the Board so to do, it may appoint one or more persons as inspecting authority to undertake inspection of the books of accounts, other records and documents of the stock brokers for any of the purposes specified in sub-regulation (2).

(2) The purposes referred to in sub-regulation (1) shall be as follows namely : (a) to ensure that the books of accounts and other books are being maintained in the manner required ;

(b) that the provisions of the Act, rules, regulations and the provisions of the Securities Contracts (Regulation) Act and the rules made thereunder are being complied with ;

(c) to investigate into the complaints received from investors, other stock brokers, sub-brokers or any other person on any matter having a bearing on the activities of the stock brokers ; and

(d) to investigate suo-moto, in the interest of securities business or investor's interest, into the affairs of the stock-broker.

20 Procedure for inspection—(1) Before undertaking any inspection under regulation 19, the Board shall give a reasonable notice to the stock-broker for that purpose.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), where the Board is satisfied that in the interest of the investors or in public interest no such notice should be given, it may by an order in writing direct that the inspection of the affairs of the stock broker be taken up without such notice.

(3) On being empowered by the Board, the inspecting authority shall undertake the inspection and the stock-broker against whom an inspection is being carried out shall be bound to discharge his obligations as provided under regulation 21.

21. Obligations of stock-broker on inspection by the Board—(1) It shall be the duty of every director, proprietor, partner, officer and employee of the stock-broker, who is being inspected, to produce to the inspecting authority such books, accounts and other documents in his custody or control and furnish him with the statements and information relating to the transactions in securities market within such time as the said officer may require.

(2) The stock-broker shall allow the inspecting authority to have reasonable access to the premises occupied by such stock-broker or by any other person on his behalf and also extend reasonable facility for examining any books, records, documents and computer data in the possession of the stock-broker or any other person and also provide copies of documents or other materials which, in the opinion of the inspecting authority are relevant.

(3) The inspecting authority, in the course of inspection, shall be entitled to examine or record statements of any member, director, partner, proprietor and employee of the stock-broker.

(4) It shall be the duty of every director, proprietor, partner, officer and employee of the stock-broker to give to the inspecting authority all assistance in connection with the inspection, which the stock-broker may be reasonably expected to give.

22. Submission of Report to the Board—The inspecting authority shall, as soon as may be possible submit an inspection report to the Board.

23 Communication of Findings etc.—(1) The Board shall after consideration of the inspection report communicate the findings to the stock-broker to give him an opportunity of being heard before any action is taken by the Board on the findings of the inspecting authority.

(2) On receipt of the explanation, if any, from the stock-broker, the Board may call upon the stock-broker to take such measures as the Board may

deem fit in the interest of the securities market and for due compliance with the provisions of the Act, rules and regulations.

24. Appointment of Auditor—Notwithstanding anything contained above, the Board may appoint a qualified auditor to investigate into the books of account or the affairs of the stock-broker :

Provided that, the auditor so appointed shall have the same powers of the inspecting authority as mentioned in regulation 19 and the obligations of the stock-broker in regulation 21 shall be applicable to the investigation under this regulation.

CHAPTER VI

PROCEDURE FOR ACTION IN CASE OF DEFAULT

25. Liability for action in case of default (1) A stock-broker who

- (a) fails to comply with any conditions subject to which registration has been granted ;
- (b) contravenes any of the provisions of the Act, rules or regulations ;
- (c) contravenes the provisions of the Securities Contracts (Regulation) Act or the rules made thereunder ;
- (d) contravenes the rules, regulations or bye-laws of the stock exchange ;

shall be liable to any of the penalties specified in sub-regulation (2).

(2) The penalties referred to in sub regulation (1) may be either—

- (a) suspension of registration, after the inquiry, for a specified period ; or
- (b) cancellation of registration.

26. Suspension, cancellation of registration—(1) A penalty of suspension of registration of a stock-broker may be imposed if :—

- (i) the stock-broker violates the provisions of the Act, rules and regulations ;
- (ii) the stock-broker does not follow the code of conduct annexed at Schedule II ;

(iii) the stock-broker—

- (a) fails to furnish any information related to his transactions in securities as required by the Board ;
- (b) furnishes wrong or false information,
- (c) does not submit periodical returns as required by the Board ;
- (d) does not co-operate in any enquiry conducted by the Board ;

- (iv) the stock-broker fails to resolve the complaints of the investors or fails to give a satisfactory reply to the Board in this behalf;
- (v) the stock-broker indulges in manipulating or price rigging or cornering activities in the market;
- (vi) the stock-broker is guilty of misconduct or improper or unbusinesslike or unprofessional conduct;
- (vii) the financial position of the stock broker deteriorates to such an extent that the Board is of the opinion that his continuance in securities business is not in the interest of investors and other stock-brokers;
- (viii) the stock-broker fails to pay the fees;
- (ix) the stock-broker violates the conditions of registration;
- (x) the membership of the stock-broker is suspended by the stock exchange;

Provided that the Board for reasons to be recorded in writing may in case of repeated defaults of the type mentioned above impose a penalty of cancellation of registration of the stock-broker.

(2) A penalty of cancellation of registration of a stock-broker may be imposed if:—

- (i) the stock-broker violates any provisions of insider trading regulations or take-over regulations;
- (ii) The stock-broker is guilty of fraud or is convicted of a criminal offence; and
- (iii) cancellation of membership of the stock-broker by the stock exchange.

27. Manner of order of suspension and cancellation.—No order of penalty of suspension or cancellation shall be imposed except after holding an enquiry in accordance with the procedure specified in regulation 28.

28 Manner of holding enquiry.—(1) For the purpose of holding an enquiry under regulation 27, the Board may appoint an enquiry officer.

(2) The enquiry officer shall issue to the stock-broker a notice at the registered office or the principal place of business of the stock-broker.

(3) The stock-broker may, within thirty days from the date of receipt of such notice, furnish to the enquiry officer a reply together with copies of documentary or other evidence relied on by him or sought by the Board from him.

(4) The enquiry officer shall, give a reasonable opportunity of hearing to the stock-broker to enable him to make submissions in support of his reply made under sub-regulation (3).

(5) Before the enquiry officer, the stock-broker may either appear in person or through any person duly authorised on his behalf;

Provided that no lawyer or advocate shall be permitted to represent the stock-broker at the enquiry;

Provided further that where a lawyer or an advocate has been appointed by the Board as a presenting officer under sub-regulation (6), it shall be lawful for the stock broker to present its case through a lawyer or advocate.

(6) If it is considered necessary, the enquiry officer may request the Board to appoint a presenting officer to present its case.

(7) The enquiry officer shall, after taking into account all relevant facts and submissions made by the stock-broker, submit a report to the Board and recommend the penalty to be awarded as also on the justification of the penalty proposed in the notice.

29. Show-cause notice and order.—(1) On receipt of the report from the enquiry officer, the Board shall consider the same and issue a show-cause notice as to why the penalty as it consider appropriate should not be imposed.

(2) The stock-broker shall within twenty-one days of the date of the receipt of the show-cause send a reply to the Board.

(3) The Board after considering the reply to the show-cause notice, if received, shall as soon as possible but not later than thirty days from the receipt of the reply, if any, pass such order as it deems fit.

(4) Every order passed under sub-regulation (3) shall be self-contained and give reasons for the conclusions stated therein including justification of the penalty imposed by that order.

(5) The Board shall send a copy of the order under sub-regulation (3) to the stock-broker, stock exchange of which the stock-broker is the member, and to the Central Government.

30. Effect of suspension and cancellation of registration of stock-broker.—(1) On and from the date of the suspension of the stock-broker he shall cease to buy, sell or deal in securities as a stock-broker during the period of suspension.

(2) On and from the date of cancellation the stock-broker shall with immediate effect cease to buy sell or deal in securities as a stock-broker.

31. Publication of order of suspension.—The order of suspension or cancellation of certificate passed in sub-regulation (3) of regulation 29 shall be published in at least two daily newspapers by the Boards.

32. Appeal to the Central Government—Any person aggrieved by an order of the Board may prefer an appeal to the Central Government.

SCHEDULE 1—FORMS

FORM A

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

(Stock Brokers and Sub-Brokers) Regulations, 1992
(Regulation 3)

APPLICATION FORM FOR REGISTRATION AS STOCK BROKERS WITH SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NAME OF THE STOCK EXCHANGE :

1. Name of Member with Code No.
2. Address of Member
3. Trade name of Member
4. Form of Organisation—Sole proprietorship, partnership, corporate body, Financial institution. Please give names of proprietor/partners/directors.
5. Educational Qualifications
6. Date of admission to membership
7. Whether member of more than one Stock Exchange ? If so, please give name(s) of the Stock Exchange(s) with Code Number(s).
8. Indicate Fax, Telex and Phone number(s) of office and residence.
9. In the case of members admitted on any Stock Exchange after February 21, 1992 the copy of the information given to the Stock Exchange at the time of admission.

I declare that the information given in this form is true to the best of my knowledge and belief.

Dated :

Signature

Recommendation of the Stock Exchange

This is to certify that _____ is a member of this Exchange and is recommended for registration with the Securities and Exchange Board of India.

Signature

Name

Designation

FORM B

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

(Stock Brokers and Sub-Brokers) Regulations, 1992
(Regulation 11)

APPLICATION FORM FOR REGISTRATION AS A SUB-BROKER WITH SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

1. Name of applicant sub-broker.
2. Trade name of sub-broker, firm, corporate body
3. Form of organisation—sole proprietorship, partnership, corporate body. Please give names of proprietor, all partners, directors etc.
4. Educational qualifications of proprietor, partners, directors etc.

Name	Status	Qualification
------	--------	---------------

5. Name of the member-broker and Stock Exchange to which applicant is affiliated.

6. Date of acquiring sub-brokership

7. Infrastructural arrangements—indicate fax, telex, phone number of offices and residential numbers. Also indicate the number of employees.

Office Address

Phone No.

Telex No.

Fax No.

Residential phone nos. of proprietor, partners, directors etc.

8. Number of branch offices and their location with phone, telex and fax numbers.

I certify that the information given in this application form is true to the best of my knowledge and belief.

Recommendation letter from the stock broker to whom I/we are affiliated and two references, including one from the banker as required are enclosed.

Signature _____

Date _____

Recommendation of the Stock Exchange

This is to certify that _____ is a sub-broker affiliated to _____ member-broker of this Exchange.

The application is recommended/not recommended for registration by the Board.

AUTHORISED SIGNATORY

Signature

_____ Stock Exchange.

FORM—C

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF
INDIA (STOCK BROKERS & SUB-BROKERS)
REGULATIONS, 1992RECOMMENDATION LETTER TO BE GIVEN
BY THE MEMBER WITH WHOM THE SUB-
BROKER IS AFFILIATED

To,

The ----- Stock Exchange

Dear Sirs,

I/We understand that -----son of -----
aged -----years, residing at ----- and
attached to me at -----for carrying
on the shares and securities business as a sub-broker.
I/We confirm that ----- is transacting
business through me for a period from -----and
he is a fit and proper person to be registered as a
sub-broker.

I/We also confirm that he is known to me/us for well
over -----years and he has got good financial back-
ground, moral character and integrity. He has been
transacting business frequently and was meeting the
market commitments as and when they arise.

I/We hereby recommend his application for granting
registration for carrying on shares and securities busi-
ness as sub-broker. I/We also wish to state that what-
ever the information that has been submitted is true
to the best of my/our knowledge and if at a later date
if any material information comes to my/our know-
ledge subsequent to the submission of this application,

I/We undertake to keep informed about the same.

I/We member(s) of ----- Exchange
hereby agree to recommend the above mentioned ap-
plicant.

Yours faithfully,

Signature of Member(s)

FORM D

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF
INDIA

(Stock Brokers and Sub-Brokers) Regulations 1992
(Regulation 6)

CERTIFICATE OF REGISTRATION

In exercise of the powers conferred by sub-section
(1) of section 12 of the Securities and Exchange
Board of India Act, 1992 read with the rules and re-
gulations made thereunder, the Board hereby grants
a certificate of registration to -----

----- a member of the-----

Stock Exchange(s) as a Stock Broker for carrying on
the activities of buying, selling or dealing in securities
and carrying on such other activities as are permitted

by such Stock Exchange(s) subject to conditions pres-
cribed in the rules and in accordance with the regula-
tions.

Registration number allotted is as under :

This certificate shall be valid till it is suspended or
cancelled in accordance with the regulations.

Date : -----

By Order
For and on behalf of
Securities and Exchange Board of India

FORM E

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF
INDIA

(Stock Brokers and Sub-Brokers) Regulations, 1992
(Regulation 12)

CERTIFICATE OF REGISTRATION

In exercise of the powers conferred by sub-section
(1) of section 12 of the Securities and Exchange
Board of India Act, 1992 read with the rules and
regulations made thereunder, the Board hereby
grants a certificate of registration to -----

-----as a Sub-Broker subject to
the Rules and in accordance with the regulations.
Registration number allotted is as under :

This certificate shall be valid till it is suspended or
cancelled in accordance with the regulations.

Date : -----

By Order
For and on behalf of
Securities and Exchange Board of India

SCHEDULE II

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF
INDIA (STOCK BROKERS & SUB-BROKERS)
REGULATIONS, 1992CODE OF CONDUCT FOR STOCK BROKERS
(Regulation 7)

A. GENERAL

(1) INTEGRITY : A stock-broker, shall maintain
high standards of integrity, promptitude and fairness
in the conduct of all his business.

(2) EXERCISE OF DUE SKILL AND CARE :
A stock-broker, shall act with due skill, care and
diligence in the conduct of all his business.

(3) MANIPULATION : A stock-broker shall not
indulge in manipulative, fraudulent or deceptive trans-
actions or schemes or spread rumours with a view to
distorting market equilibrium or making personal
gains.

(4) **MALPRACTICES** : A stock-broker shall not create false market either singly or in concert with others or indulge in any act detrimental to the investors interest or which leads to interference with the fair and smooth functioning of the market. A stock-broker shall not involve himself in excessive speculative business in the market beyond reasonable levels not commensurate with his financial soundness.

(5) **COMPLIANCE WITH STATUTORY REQUIREMENTS** : A stock-broker shall abide by all the provisions of the Act and the rules, regulations issued by the Government, the Board and the stock exchange from time to time as may be applicable to him.

B. DUTY TO THE INVESTOR

(1) **EXECUTION OF ORDERS** : A stock-broker, in his dealings with the clients and the general investing public, shall faithfully execute the orders for buying and selling of securities at the best available market price and not refuse to deal with a Small Investor merely on the ground of the volume of business involved. A stock-broker shall promptly inform his client about the execution or non-execution of an order, and make prompt payment in respect of securities sold and arrange for prompt delivery of securities purchased by clients.

(2) **ISSUE OF CONTRACT NOTE** : A stock-broker shall issue without delay to his client a contract note for all transactions in the form specified by the stock exchange.

(3) **BREACH OF TRUST** : A stock-broker shall not disclose or discuss with any other person or make improper use of the details of personal investments and other information of a confidential nature of the client which he comes to know in his business relationship.

(4) **BUSINESS AND COMMISSION** . (a) A stock-broker shall not encourage sales or purchases of securities with the sole object of generating brokerage or commission.

(b) A stock-broker shall not furnish false or misleading quotations or give any other false or misleading advice or information to the clients with a view of inducing him to do business in particular securities and enabling himself to earn brokerage or commission thereby.

(5) **BUSINESS OF DEFAULTING CLIENTS** : A stock-broker shall not deal or transact business knowingly, directly or indirectly or execute an order for a client who has failed to carry out his commitments in relation to securities with another stock-broker.

(6) **FAIRNESS TO CLIENTS** : A stock-broker, when dealing with a client, shall disclose whether he is acting as a principal or as an agent and shall ensure at the same time, that no conflict of interest arises between him and the client. In the event of a conflict of interest, he shall inform the client accordingly and shall not seek to gain a direct or indirect personal advantage from the situation and shall not consider clients' interest inferior to his own.

(7) **INVESTMENT ADVICE** : A stock-broker shall not make a recommendation to any client who might be

expected to rely thereon to acquire, dispose of, retain any securities unless he has reasonable grounds for believing that the recommendation is suitable for such a client upon the basis of the facts, if disclosed by such a client as to his own security holdings, financial situation and objectives of such investment. The stock-broker should seek such information from clients, wherever he feels it is appropriate to do so.

(8) **COMPETENCE OF STOCK BROKER** : A stock-broker should have adequately trained staff and arrangements to render fair, prompt and competent services to his clients.

C. STOCK-BROKERS VIS-A-VIS OTHER STOCK BROKERS

(1) **CONDUCT OF DEALINGS** : A stock-broker shall co-operate with the other contracting party in comparing unmatched transactions. A stock-broker shall not knowingly and wilfully deliver documents which constitute bad delivery and shall co-operate with other contracting party for prompt replacement of documents which are declared as bad delivery.

(2) **PROTECTION OF CLIENTS INTERESTS** : A stock-broker shall extend fullest co-operation to other stock-brokers in protecting the interests of his clients regarding their rights to dividends, bonus shares, right shares and any other right related to such securities.

(3) **TRANSACTIONS WITH STOCK BROKERS** : A stock-broker shall carry out his transactions with other stock-brokers and shall comply with his obligations in completing the settlement of transactions with them.

(4) **ADVERTISEMENT AND PUBLICITY** : A stock-broker shall not advertise his business publicly unless permitted by the stock exchange.

(5) **INDUCEMENT OF CLIENTS** : A stock-broker shall not resort to unfair means of inducing clients from other stock-brokers.

(6) **FALSE OR MISLEADING RETURNS** : A stock-broker shall not neglect or fail or refuse to submit the required returns and not make any false or misleading statement on any returns required to be submitted to the Board and the stock exchange.

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (STOCK BROKERS & SUB-BROKERS) REGULATIONS, 1992

CODE OF CONDUCT FOR SUB-BROKERS

(Regulation 15)

A. GENERAL

(1) **INTEGRITY** : sub-broker, shall maintain high standards of integrity, promptitude and fairness in the conduct of all investment business.

(2) **EXERCISE OF DUE SKILL AND CARE** : A sub-broker, shall act with due skill, care and diligence in the conduct of all investment business.

B. DUTY TO THE INVESTOR

(1) **EXECUTION OF ORDERS** : A sub-broker, in his dealings with the clients and the general investing

public, shall faithfully execute the orders for buying and selling of securities at the best available market price. A sub-broker shall promptly inform his client about the execution or non-execution of an order and make payment in respect of securities sold and arrange for prompt delivery of securities purchased by clients.

(2) A. Issue of Purchase or Sale Notes :

- (a) A sub-broker shall issue promptly to his clients purchase or sale notes for all the transactions entered into by him with his clients.
- (b) A sub-broker shall issue promptly to his clients scripwise split purchase or sale notes and similarly bills and receipts showing the brokerage separately in respect of all transactions in the specified form.
- (c) A sub-broker shall only split the contract notes clientwise and scripwise originally issued to him by the affiliated broker into different denominations.
- (d) A sub-broker shall not match the purchase and sale orders of his clients and each such order must invariably be routed through a member-broker of the stock exchange with whom he is affiliated.

(3) BREACH OF TRUST : A sub-broker shall not disclose or discuss with any other person or make improper use of the details of personal investments and other information of a confidential nature of the client which he comes to know in his business relationship.

(4) BUSINESS AND COMMISSION :

- (a) A sub-broker shall not encourage sales or purchases of securities with the sole object of generating brokerage or commission.
- (b) A sub-broker shall not furnish false or misleading quotations or give any other false or misleading advice or information to the clients with a view of inducing him to do business in particular securities and enabling himself to earn brokerage or commission thereby.
- (c) A sub-broker shall not charge from his clients commission exceeding one and one-half of one per cent of the value mentioned in the respective sale or purchase notes.

(5) BUSINESS OF DEFAULTING CLIENTS : A sub-broker shall not deal or transact business knowingly, directly or indirectly or execute an order for a client who has failed to carry out his commitments in relation to securities and is in default with another broker or sub-broker.

(6) FAIRNESS TO CLIENTS : A sub-broker, when dealing with a client, shall disclose that he is acting as an agent and shall issue appropriate purchase/sale note ensuring at the same time, that no conflict of interest arises between him and the client. In the event of a conflict of interest, he shall inform the client accordingly and shall not seek to gain a direct or indirect personal advantage from the situation and shall not consider clients interest inferior to his own.

(7) INVESTMENT ADVICE : A sub-broker shall not make a recommendation to any client who might be expected to rely thereon to acquire, dispose of, retain any securities unless he has reasonable grounds for believing that the recommendation is suitable for such a client upon the basis of the facts, if disclosed by such a client as to his own security holdings, financial situation and objectives of such investment. The sub-broker should seek such information from clients, wherever they feel it is appropriate to do so.

(8) COMPETENCE OF SUB-BROKER : A sub-broker should have adequately trained staff and arrangements to render fair, prompt and competent services to his clients and continuous compliance with the regulatory system.

C. SUB-BROKERS VIS-A-VIS STOCK BROKERS

(1) CONDUCT OF DEALINGS : A sub-broker shall co-operate with his broker in comparing unmatched transactions. A sub-broker shall not knowingly and wilfully deliver documents which constitute bad delivery. A sub-broker shall co-operate with other contracting party for prompt replacement of documents which are declared as bad delivery.

(2) PROTECTION OF CLIENTS' INTERESTS : A sub-broker shall extend fullest co-operation to his stock-broker in protecting the interest of their clients regarding their rights to dividends, right or bonus shares or any other rights relating to such securities.

(3) TRANSACTIONS WITH BROKERS : A sub-broker shall not fail to carry out his stock-broking transactions with his broker nor shall he fail to meet his business liabilities or show negligence in completing the settlement of transactions with them.

(4) LEGAL AGREEMENT BETWEEN BROKERS : A sub-broker shall execute an agreement or contract with his affiliating brokers which would clearly specify the rights and obligations of the sub-broker and the principal broker.

(5) ADVERTISEMENT AND PUBLICITY : A sub-broker shall not advertise his business publicly unless permitted by the stock exchange.

(6) INDUCEMENT OF CLIENTS : A sub-broker shall not resort to unfair means of inducing clients from other brokers.

D. SUB-BROKERS VIS-A-VIS REGULATORY AUTHORITIES

(1) GENERAL CONDUCT : A sub-broker shall not indulge in dishonourable, disgraceful or disorderly or improper conduct on the stock exchange nor shall he wilfully obstruct the business of the stock exchange. He shall comply with the rules, bye-laws and regulations of the stock exchange.

(2) FAILURE TO GIVE INFORMATION : A sub-broker shall not neglect or fail or refuse to submit to the board or the stock exchange with which he is registered, such books, special returns, correspondence, documents, and papers or any part thereof as may be required.

(3) **FALSE OR MISLEADING RETURNS** : A sub-broker shall not neglect or fail or refuse to submit the required returns and not make any false or misleading statement on any returns required to be submitted to the Board or the stock exchanges.

(4) **MANIPULATION** . A sub-broker shall not indulge in manipulative, fraudulent or deceptive transactions or schemes or spread rumours with a view to distorting market equilibrium or making personal gains.

(5) **MALPRACTICES** . A sub-broker shall not create false market either singly or in concert with others or indulge in any act detrimental to the public interest or which leads to interference with the fair and smooth functions of the market mechanism of the stock exchanges. A sub-broker shall not involve himself in excessive speculative business in the market beyond reasonable levels not commensurate with his financial soundness.

SCHEDULE III

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

(Stock-Brokers and Sub-Brokers) Regulations, 1992

(Regulation 10)

I FEES TO BE PAID BY THE STOCK-BROKER

1. Every stock-Broker shall subject to paragraphs 2 and 3 of this Schedule pay registration fees in the manner set out below :

- (a) Where the annual turnover does not exceed rupees one crore during any financial year, a sum of rupees five thousand for each financial year or;
- (b) Where the annual turnover of the stock-broker exceeds rupees one crore during any financial year, a sum of rupees five thousand plus one hundredth of one per cent of the turnover in excess of rupees one crore for each financial year;
- (c) After the expiry of five financial years from the date of initial registration as a stock-broker, he shall pay a sum of rupees five thousand for a block of five financial years commencing from the sixth financial year after the date of grant of initial registration to keep his registration in force.

2. Fees referred to in clause (a) and (b) of paragraph 1 above shall be paid —

- (a) in respect of the financial year 1992-1993 within one month of the commencement of these regulations;
- (b) in respect of the financial year beginning on the 1st day of April, 1993 and the following financial years, on or before the first day of October of the financial year to which such payment relates;

and such fees shall be computed with reference to the annual turnover relating to the preceding financial year.

3. Every remittance of fees referred to in clauses (a) and (b) of paragraph 1, shall be accompanied by a certificate as to the authenticity of turnover on the basis of which fees have been computed duly signed by the stock exchange of which the stock broker is a member or by a qualified auditor as defined in Section 226 of the Companies Act, 1956.

Explanation : For the purpose of paragraphs 1, 2 and 3 "annual turnover" means the aggregate of the sale and purchase prices of securities received and receivable by the stock broker on his own accounts as well as on account of his clients in respect of sale and purchase or dealing in securities during any financial year.

II. FEES TO BE PAID BY SUB-BROKER

- (a) A Sub-broker shall pay a fee of rupee one thousand for each financial year for an initial period of five years.
- (b) After the expiry of the five years mentioned above, the sub-broker shall pay a fee of rupees five hundred for each financial year as long as the Certificate remains in force.

III. MANNER OF FEES TO BE PAID

The fees indicated above shall be paid on or before the 1st day of October each year payable by a cheque, draft or other instrument in favour of "The Securities and Exchange Board of India" at Bombay.

[F. No. 28/7/SE/92]

G. V. RAMAKRISHNA, Chairman
(Securities and Exchange Board of India)